विचार

जीवन वह है जो तब घटित होता है जब आप अन्य योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं।

– जॉन लेनन

सब की खबर

जनगाथा टाइम्स

■ वर्ष: 05 ■ अंक: 309 ■ वीरवार 28 अगस्त 2025 ■ पृष्ठ: 08 ■ मोबाइल: 98881-91277 ■ editor@jangathatimes.com ■ www.jangathatimes.com ■ RNI NO.PUNHIN/2018/75723

तीन दिन: भारी बारिश का अलर्ट...बाढ़ से जूझ रहे आठ जिले, लोगों को बचाने में जुटी सेना

चंडीगढ़। मूसलाधार बारिश और बांधों से लगातार पानी छोड़े जाने से पंजाब में हालात बदतर हो गए हैं। सूबे में बाढ़ के हालात हैं। हजारों एकड़ भूमि, फसलें, नदियों के किनारे बसे गांव डूब चुके हैं। सड़कें बह जाने की वजह से कई गांवों का संपर्क कट चुका है। सड़कें पुल टूट चुके हैं। सड़क यातायात के साथ रेल सेवाएं भी बाधित हैं। घरों को नुकसान पहुंचा है। लोग जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंच रहे हैं। लोगों को बचाने के लिए सेना की मदद ली जा रही है। वहीं, मौसम विभाग ने पंजाब में फिर से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार से तीन दिन फिर भारी बारिश की चेतावनी है। वीरवार को पंजाब में मौसम मुख्यता शुष्क बना रहा, जिसके चलते तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

सूबे में बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में पठानकोट, होशियारपुर, गुरदासपुर, कपूरथला, तरनतारन, फाजिल्का और फिरोजपुर शामिल हैं। इसके अलावा तरनतारन और अमृतसर में भी हालात खराब हैं। बीते 24 घंटे में पौंग बांध और रणजीत सागर बांध का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। हालात बेकाबू होते देख पंजाब पुलिस के साथ सेना, सीमा

सुरक्षा बल (बीएसएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर का भी सहारा लिया गया है।

लगातार हो रही बारिश से अमृतसर में रावी दरिया का जल स्तर खतरे के निशान के ऊपर चला गया है। जिले के 40 से ज्यादा गांव में पानी भर गया है। वीरवार को भारतीय सेना की ओर से मोर्चा संभालते हुए लोगों को रेस्क्यू करने का काम शुरू किया और बाढ़ प्रभावित गांव से लोगों को निकाल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

पंजाब के आठ जिले भीषण बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। रावी दरिया में उफान के कारण बुधवार को पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स के चार गेट टूट गए जिससे वहां तैनात 50 कर्मचारी फंस गए। उन्हें हेलीकॉप्टर से निकाल लिया गया। वहीं, गुरदासपुर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय दबुड़ी में रात से फंसे 381 विद्यार्थियों और 70 शिक्षकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उधर, पाकिस्तान में रावी दरिया में बाढ़ के कारण श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा व करतारपुर कॉरिडोर में पानी भर गया है। श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने बताया कि पाकिस्तान से मिली जानकारी के अनुसार श्री करतारपुर साहिब के मुख्य दरबार सहित पूरे परिसर में कई फीट पानी घुस गया है।

अभी जेल में ही रहेंगे बिक्रम मजीठिया, 6 सितंबर तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

एसएएस नगर। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की मोहाली कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी के बाद कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 6 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने बैरक ट्रांसफर की अर्जी पर सुनवाई 30 अगस्त तक स्थगित कर दी है। इसके अलावा बचाव पक्ष की ओर से मजीठिया के खिलाफ दायर चार्जशीट की कॉपी देने की अर्जी पर सुनवाई 2 सितंबर के लिए

तय की गई है। उल्लेखनीय है कि विजिलेंस ब्यूरो इस केस में मजीठिया के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए हुए है। 23 अगस्त को विजिलेंस ब्यूरो ने उनके खिलाफ 40 हजार पन्नों की चार्जशीट अदालत में दायर की। इस चार्जशीट में 200 गवाहों और 700 करोड़ की बेनामी संपत्ति का ब्योरा दिया गया है। सरकारी वकील का कहना है कि इसमें 400 से अधिक बैंक खातों का जिक्र है, जिनका पिछले 10 साल का रिकॉर्ड खंगाला गया है।

पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार: बॉर्डर क्रॉस कर पंजाब में घुसा, बीएसएफ ने पकड़ा, तलाशी में आमिर हुसैन से क्या मिला

अमृतसर। पंजाब में भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिए पकड़ा गया है। गुसपैठिए को सरहद पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने पकड़ा है। अमृतसर स्थित अटारी सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल द्वारा एक घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया है। सीमा सुरक्षा बल 181 बटालियन के कंपनी कमांडर सुनील कुमार के अनुसार वह और उनकी टीम भी बीओपी अटारी में तैनात है। उनके जवानों ने कंटीली तार के नजदीक एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो वह पाकिस्तानी निकला। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान आमिर हुसैन निवासी कराची पाकिस्तान के रूप में की गई है। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से कुछ दवाइयां मिली है। बिना पासपोर्ट और वीजा के दाखिल होने के आरोप में पुलिस के हवाले किया गया है। थाना

घरिंडा की पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और पूछताछ जारी है।

फिरोजपुर में पाकिस्तान ड्रोन से आई 7 किलो हेरोइन पकड़ी, तस्कर गिरफ्तार

बीएसएफ ने सरहद से सात किलो हेरोइन व ड्रोन समेत एक तस्कर को काबू किया है। पाकिस्तान से बड़े ड्रोन के माध्यम हेरोइन की खेप आई थी। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक फिरोजपुर के ब्लॉक ममदोट के गांव झुग्गे किशोर सिंह वाला (जेके सिंह वाला) में पाकिस्तानी तस्करों ने बड़े ड्रोन के माध्यम हेरोइन के 12 पैकेट आसमान से फेंके थे। बीएसएफ ने ड्रोन की आवाज सुनकर उसे किसी तरह आधुनिक यंत्रों से आसमान से जमीन पर गिरा दिया। बारह पैकेटों में हेरोइन का वजन छह किलो 86 ग्राम था। इसी तरह बीएसएफ ने फाजिल्का के गांव वजीदा के खेत से हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया। इसमें 536 ग्राम हेरोइन थी। इसके अलावा बीएसएफ ने गांव अटारी के खेत में से पैकेट उठाते एक व्यक्ति को काबू किया है। पैकेट में 490 ग्राम हेरोइन थी।

बुझ गए दो घरों के चिराग, पानी में डूबे 11 और नौ साल के दो मासूम, बच्चों की मौत से पसरा मातम

खडूर साहिब

पंजाब में बारिश और बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। हालांकि राहत व बचाव कार्य भी किया जा रहा है। वहीं खडूर साहिब के हरिके पत्तन के गांव बुर्ज देवा सिंह में बारिश के पानी से भरे टीलों में गिरने से दो मासूमों की मौत हो गई। दोनों बच्चे मजदूर परिवार के थे। इस हादसे से इलाके में मातम का माहौल है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मरने वाले दोनों मासूम पास के गांव बुर्ज पूहला के रहने वाले थे। मासूमों की पहचान प्रभजीत सिंह उर्फ प्रभ (11) पुत्र गुरप्रीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह उर्फ प्रिंस (9) पुत्र निशान सिंह के रूप में हुई है। पट्टी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव बुर्ज देवा सिंह का एक किसान गांव में एक धार्मिक संस्था से जुड़े घोड़ों को लाया था। उक्त

किसान एक धार्मिक डेरे से जुड़ा हुआ है। किसान ने गांव के छोटे बच्चों से कहा कि वे इन घोड़ों को खेतों में ले जाकर चारा खिलाएं और फिर वापस आ जाएं। गांव के करीब आधा दर्जन बच्चे करीब 30 घोड़े चराने के लिए खेतों में गए थे। जहां ईंट भट्ठा मालिक ने अपनी सुविधा लिए खेतों में छह से सात फीट गहरे टीले खुदवाए हैं। उनमें बारिश का पानी भरा हुआ था। दोनों मासूम इन टीलों में गिर गए। मौके पर मौजूद अन्य बच्चों ने शोर मचाया तो ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। बच्चा प्रभ एक निजी स्कूल में 7वीं कक्षा का छात्र था जबकि प्रिंस गांव के सरकारी स्कूल में 5वीं कक्षा में पढ़ता था। प्रभदीप सिंह के पिता गुरप्रीत सिंह की कुछ समय पहले मौत हो गई थी। बेटे की मौत के बाद उसकी मां संदीप कौर का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के सरपंच सतनाम सिंह, जसवंत सिंह, रेशम सिंह, जसबीर सिंह, बीरा सिंह, गुरबचन सिंह ने कहा कि यह हादसा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने हादसे की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए और मृतक मासूम बच्चों के परिजनों को उचित मुआवजे की मांग भी की है।

पंजाब में आतंकी हमले का अलर्ट: ईमेल से मिली बम अटैक की धमकी; सरकारी इमारतों और पुलिस थानों की बढ़ाई सुरक्षा

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में सरकारी भवनों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है। सूत्र बताते है कि धमकी ईमेल पर भी आई है और साथ ही साथ फोन पर भी शहर के किसी थाने पर हमला करने की धमकी दी गई है। इसके बाद पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। सुरक्षा एजेंसियों ने भी कमिश्नरेट पुलिस को कई तरह के इनपुट्स दिए हैं।

लुधियाना पुलिस ने कई पुलिस थानों और सरकारी भवनों के बाहर सुरक्षा कर्मी तैनात किए हैं। हालांकि अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था को रूटीन चेकिंग बता रहे हैं, लेकिन इससे पहले कभी भी ऐसी सुरक्षा नहीं देखी गई थी। लुधियाना शहर के विभिन्न हिस्सों में विशेष पुलिस नाके लगाकर चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा कई सरकारी कार्यालयों

और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इनमें जगरांव ब्रिज, पोस्ट ऑफिस, बीएसएनएल बिल्डिंग, डीआईजी कोठी, सर्किट हाउस और फिरोजपुर रोड एलिवेटेड ब्रिज शामिल हैं। जगरांव पुल पर पुलिस ने बेरिकैडिंग कर पुलिस की गाड़ी के साथ साथ पुल पर हरी जाली लगा दी है। इसके अलावा लक्कड़ पुल डीआईजी दफ्तर के पास भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। लुधियाना जैसे बड़े औद्योगिक शहर में आतंकी हमले की धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है। हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब महानगर के सरकारी भवनों को बम से उड़ाने की धमकी मिली हो, इससे पहले भी कई बार ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। वहीं पुलिस थानों में सलेम टाबरी, लाडोवाल, डिवीजन नंबर-6, साहनेवाल, डेहलों, डिवीजन नंबर-5, डिवीजन नंबर-3, जमालपुर, कुमकलां, मोती नगर, मेहरबान और शहर की कई चौकियों को हाईवे पुलिस थानों के अंतर्गत रखा गया है, जहां सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। इस मामले डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस लॉ एंड आर्डर परमिंदर सिंह भंडाल ने कहा कि किसी तरह की कोई धमकी नहीं है। बल्कि यह रूटीन चेकिंग है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक, राजेंद्र कुमार के द्वारा नारैन प्रिंटिंग प्रेस कश्मीरी बाजार होशियारपुर पंजा से छपवाकर, शंकर नगर नजदीर रेलवे स्टेशन होशियारपुर से प्रकाशित किया। सम्पादक राजेंद्र कुमार

आपका भी बच्चा पलट कर मारता है आपको?

ऐसी स्थिति में क्या करें माता-पिता ?

बच्चों का छोटे उम्र में अपनी भावनाओं को समझना और उन्हें सही तरीके से व्यक्त करना एक चैलेंजिंग प्रोसेस होती है. कई बार माता-पिता बच्चों से प्यार में लाड़ करते हुए उनकी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं. इनमें से एक आम समस्या यह है कि छोटे बच्चे अक्सर माता-पिता या अन्य लोगों पर हाथ उठाने की आदत डाल लेते हैं. यह व्यवहार अगर समय रहते ठीक न किया जाए, तो बच्चे की परवरिश पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है.

बच्चे जब छोटे होते हैं, तो वे अपने गुस्से या असहमति को समझाने के लिए फिजिकली प्रोसेस करते हैं, जैसे कि मारना, काटना या बाल खींचना. यही कारण है कि अगर माता-पिता शुरुआत में ही बच्चों के इस व्यवहार को ठीक करने में असफल रहते हैं, तो यह एक आदत बन सकती है. जिसके कारण बच्चों को यह सिखाना बहुत जरूरी हो जाता है कि ऐसे शारीरिक व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जा सकता.

तो, अगर आपका बच्चा आपको मारता है या किसी और को हानि पहुंचाता है, तो आपको इसे किस तरह हैंडल करना चाहिए?

बच्चा मारने लगे तो क्या करें?

अगर बच्चा आपको मारता है, तो सबसे पहले उसे तुरंत अपनी गोद से उतार दें.

बच्चा जब अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शारीरिक रूप से प्रतिक्रिया करता है, तो उसे यह समझाना जरूरी है कि ऐसा व्यवहार गलत है. माता-पिता को यह समझाना चाहिए कि हाथ उठाना कभी भी एक्सेप्टेबल नहीं है.

बच्चों को अपने गुस्से या असहमति को शब्दों के जरिए व्यक्त करना सिखाना चाहिए, न कि शारीरिक रूप से मारकर. यह सिखाने के लिए कुछ खास तरीके हैं

1. कंट्रोल बनाए रखें

सबसे पहले, बच्चों के साथ संयम रखना बहुत जरूरी है. अगर बच्चे ने हाथ उठाया है, तो गुस्से में आकर तुरंत प्रतिक्रिया न करें.

इससे स्थिति और बिगड़ सकती है. गहरी सांस लें और अपनी आवाज में शांतिपूर्ण आचरण बनाए रखें.

2. बाउंड्रीज सेट करें

बच्चे को सहज तरीके से यह समझाएं कि मारना बिल्कुल भी एक्सेप्टेबल नहीं है. आप कह सकते हैं, हम किसी को मारते नहीं हैं क्योंकि इससे उन्हें दर्द होता है.

3. सही व्यवहार सिखाएं

बच्चे को यह बताएं कि गुस्से या असंतोष को व्यक्त करने के लिए शारीरिक हमला करने के बजाय वह शब्दों का इस्तेमाल कर सकता है.

उदाहरण के लिए, वह कह सकता है मुझे गुस्सा आ रहा है या यह मुझे पसंद नहीं है.

4. टाइमआउट या कन्सिक्वेंसेस

अगर बच्चा लगातार ऐसे व्यवहार को दोहराता है, तो उसे एक शॉर्ट टाइमआउट दें. उदाहरण के लिए, अगर बच्चा दूसरे बच्चों के साथ खेलते समय किसी पर हाथ उठा देता है, तो उसे उस खेल से अलग कर दें. यह बच्चे को यह समझाने में मदद करेगा कि इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं.

5. अच्छे व्यवहार की सराहना करें

जब बच्चा गुस्से या अन्य भावनाओं को कंट्रोलित तरीके से व्यक्त करता है, तो उसकी सराहना करें. यह बच्चे को प्रेरित करता है और उसे यह समझने में मदद करता है कि क्या सही है और क्या गलत.

6. ट्रिगर्स की पहचान करें

बच्चों को अक्सर थकान, भूख या बहुत ज्यादा एक्साइटमेंट के कारण गुस्सा आ सकता है. ऐसे में उनकी जरूरतों को पहले समझें और फिर उनकी भावनाओं को कंट्रोल करने में मदद करें.

7. कंसिस्टेंसी बनाए रखें

माता-पिता को कंसिस्टेंट रहना चाहिए. अगर बच्चा मारता है, तो हर बार उसी प्रतिक्रिया को अपनाएं. इस प्रक्रिया में निरंतरता बच्चे को सिखाती है कि यह व्यवहार पूरी तरह से अनएक्सेप्टेबल है.

रोज सुबह खाना शुरू कर दें भीगी हुई किशमिश, शरीर में दिखने लगेंगे 9 कमाल के बदलाव

किशमिश आयरन का बेहतरीन सोर्स है। इसमें और भी कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए काफी जरूरी हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि भीगी हुई किशमिश खाना सेहत के लिए और भी ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। आइए जानें रोज सुबह भीगी हुई किशमिश खाने से सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

भीगी हुई किशमिश क्यों फायदेमंद है?

किशमिश को भिगोकर खाने से इसके पोषक तत्व आसानी से अब्जॉर्ब हो जाते हैं। सूखी किशमिश की तुलना में भीगी हुई किशमिश पचाने में आसान होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है।

भीगी किशमिश खाने के फायदे

- पाचन तंत्र को मजबूत बनाए- भीगी हुई किशमिश में डाइटरी फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है। यह कब्ज, एसिडिटी और गैस की समस्या को दूर करती है और आंतों को स्वस्थ रखती है।
- एनिमिया से बचाव- किशमिश आयरन का अच्छा सोर्स है। रोज सुबह भीगी हुई किशमिश खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ता है, जिससे एनिमिया (खून की कमी) की समस्या दूर होती है।
- दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद- भीगी हुई किशमिश में पोटैशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करती है।
- एनर्जी बूस्टर - किशमिश में नैचुरल शुगर (ग्लूकोज और फ्रुक्टोज) होती है, जो तुरंत एनर्जी देती है। सुबह भीगी हुई किशमिश खाने से दिनभर एनर्जी बनी रहती है और थकान कम होती है।
- हड्डियों को मजबूत बनाए- किशमिश में कैल्शियम और बोरॉन जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। नियमित रूप से इसे खाने से ऑस्टियोपोरोसिस और जोड़ों के दर्द से बचाव होता है।
- इम्युनिटी बढ़ाए- किशमिश में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-सी होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इससे सर्दी-जुकाम और इन्फेक्शन का खतरा कम होता है।
- वजन कंट्रोल करने में मददगार- भीगी हुई किशमिश में फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है। इससे अनहेल्दी खाने की क्रेविंग कम होती है और वजन कंट्रोल होता है।
- लिवर डिटॉक्स करे- किशमिश लिवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करती है। यह शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर लिवर को स्वस्थ रखती है।
- त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद- किशमिश में मौजूद विटामिन-ई और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को ग्लोइंग बनाते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं। साथ ही, यह बालों को मजबूत बनाकर झड़ने से रोकती है।

कैसे खाएं भीगी हुई किशमिश?

* रात को 8-10 किशमिश धोकर एक कप पानी में भिगो दें।
* सुबह खाली पेट इसे चबाकर खाएं और पानी भी पी लें।
* आप इसे दूध के साथ भी ले सकते हैं।

भारत में शिक्षा का नया रिकॉर्ड: 2024-25 में स्कूल शिक्षकों की संख्या पहली बार 1 करोड़ पार, ड्रॉपआउट दर में भी कमी

नई दिल्ली: शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया गया है। सत्र 2024-25 में देशभर में स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की संख्या पहली बार 1 करोड़ के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा न केवल शिक्षकों की बढ़ती उपलब्धता को दशार्ता है, बल्कि यह संकेत भी देता है कि बच्चों की शिक्षा पर देशव्यापी ध्यान बढ़ रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इसी सत्र में बच्चों के ड्रॉपआउट दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। प्रिपरेटरी स्तर पर यह 3.7% से घटकर 2.3%, मध्य स्तर पर 5.2% से घटकर 3.5% और माध्यमिक स्तर पर 10.9% से घटकर 8.2% हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षकों की संख्या में यह वृद्धि छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन और कक्षा में व्यक्तिगत ध्यान देने में मदद करेगी। मंत्रालय के अनुसार, शिक्षकों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ-साथ उनकी प्रशिक्षण गुणवत्ता में सुधार, स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और डिजिटल शिक्षा का प्रसार ड्रॉपआउट दर में कमी लाने में सहायक रहे हैं। भविष्य में शिक्षा क्षेत्र में और निवेश किया जाएगा ताकि शिक्षकों की संख्या और गुणवत्ता दोनों में निरंतर सुधार हो और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। विशेषज्ञ इसे देश में शिक्षा प्रणाली के सुधार और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं। इस सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सही नीतियों और संसाधनों के साथ भारत की शिक्षा प्रणाली तेजी से मजबूत हो रही है।

डॉ. ईशांक ने पट्टी में 10 लाख की लागत से बनी नई इंटरलॉक सड़क का किया उद्घाटन

जनगाथा
न्यूज/गढ़शंकर/होशियारपुर,चब्बेवाल
हैप्पी कलेर

चब्बेवाल विधायक डॉ. ईशांक कुमार अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के प्रति पूरी तरह सरगर्म हैं। बीते दिनों उन्होंने गांव पट्टी में 10 लाख रुपये की लागत से बनी इंटरलॉक सड़क का उद्घाटन किया । यह सड़क पट्टी निवासी कपिल देव के घर से श्री गुरु रविदास चौक तक बनाई गई है, जिसे इंटरलॉक से बनाए जाने की गाँव वासियों की खास डिमांड थी। इस मौके पर एकत्रित लोगों को सम्बोधित करते हुए डॉ. ईशांक ने कहा कि वह अपने हलके के गांव-गांव में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि चब्बेवाल क्षेत्र के हर गांव में सड़कें, नालियां, स्ट्रीट लाइटें और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने की वह अपनी जिम्मेवारी समझते हैं। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल विकास कार्य करना नहीं, बल्कि आम जनता की जिंदगी को आसान बनाना है। विधायक ने कहा कि जनता ने जो विश्वास उन पर जताया है, उसे वह हमेशा कायम रखेंगे और क्षेत्र के हर कोने तक विकास कार्य पहुंचाएंगे। गांववासियों की तरफ से सरपंच शिंदरपाल कोच ने डा इशांक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सड़क के बनने से गाँव वासियों की मांग पूरी हुई है । ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की कि विधायक की अगुवाई में क्षेत्र का विकास इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर गांव के सरपंच शिंदरपाल, पंच सोहन लाल सहोता, दलजीत सिंह (ब्लॉक प्रधान), पंच बलविंदर सिंह, पंच सुरिंदर कौर, हरभजन सिंह, चरणजीत सिंह, गुरदीप सिंह, कमलेश कुमार (पूर्व पंच), नीलम रानी, सलमा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुदित ने अंडर-14 जिला स्तरीय बाक्सिंग मुकाबले में पाया पहला स्थान

जनगाथा
न्यूज/गढ़शंकर/होशियारपुर
हैप्पी कलेर

रोटरी आई बैंक एवं कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी के अध्यक्ष संजीव अरोड़ा और जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज हरियाणा के प्रिंसिपल डॉ. राजीव कुमार के नेतृत्व में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेत्रदान जागरूकता के लिए 5 वर्ष की अवधि का सहमति पत्र (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। संजीव अरोड़ा ने बताया कि इसका उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और कॉलेज में समय-समय पर सेमिनार एवं कार्यक्रम आयोजित करना है। उन्होंने कहा कि देश में कॉर्नियल अंधेपन के मरीजों की संख्या अधिक है जबकि कॉर्निया दान कम हो रहा है, ऐसे में जागरूकता अति आवश्यक है। प्रिंसिपल डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि कॉलेज परिसर में नाटक, फ्लेक्स बोर्ड और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा ताकि वे समाज में नेत्रदान का संदेश फैला सकें। इस अवसर पर जे.बी. बहल, डॉ. सुची शर्मा, प्रो. नितिन नैयर, प्रो. मेजर मोहम्मद सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सेंट सोल्जर डिवाइन पब्लिक स्कूल में परमाणु परीक्षण के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

जनगाथा
न्यूज/होशियारपुर
रूपिंदर

सेंट सोल्जर डिवाइन पब्लिक स्कूल ऊना रोड में परमाणु परीक्षण के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर उर्मिल सूद के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने परमाणु हथियारों के दुष्प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। डायरेक्टर सूद ने कहा कि हर वर्ष 29 अगस्त को यह दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को परमाणु परीक्षणों के हानिकारक प्रभावों और इनके अंत की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि परमाणु हथियार व्यापक तबाही लाते हैं, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराना है। इस हमले में करीब 2 लाख लोग मारे गए और हजारों लोग विकिरणजनित बीमारियों से पीड़ित हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे हथियार किसी भी रूप में मानव जाति के हित में नहीं हैं। सूद ने परमाणु हथियारों के प्रसार और प्रचार पर रोक लगाने की अपील करते हुए छात्रों को विश्व शांति में योगदान देने का संकल्प दिलवाया।

69वें ज़िला स्कूल खेलों में लड़कियों का शानदार प्रदर्शन

जनगाथा न्यूज/गढ़शंकर
रविंदर

पंजाब सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 69वें पंजाब स्कूल खेलों के अंतर्गत ज़िला कराटे टूनार्मेंट 2025-26 का आयोजन ज़िला शिक्षा अधिकारी ललिता अरोड़ा और ज़िला खेल समन्वयक जगजीत सिंह के मार्गदर्शन और ज़िला कराटे संयोजक अजय कुमार के नेतृत्व में 21 अगस्त से 24 अगस्त तक लाजवंती स्टेडियम, होशियारपुर में किया गया। इस टूनार्मेंट में अंडर 14, 17, 19 आयु वर्ग की लड़कियों के लिए विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। जिसमें होशियारपुर ज़िले के 16 विभिन्न जोनों से अपने-अपने भार और आयु वर्ग के विजेता खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें प्रबलीन कौर, सिमरन कौर, गुरलीन कौर, सुहानी कुमारी, तनीषा, बफनिक, तृषा सालन, मनप्रीत, साहिबदीप, अवनी सूद, सोनाक्षी, एकता, नादिया दिलोहर, अक्षिता शर्मा, श्रद्धा मेहता, रिधि सहगल, रिधिमा, जशनप्रीत कौर, गुरमनप्रीत कौर, अमृत, कोमलप्रीत कौर, राजवीर कौर, रामवती, संतोष, अंजलि बाला, प्रगति

शर्मा, बुलबुल, चित्राशु, जशनजोत घुमन शामिल हैं। डिंपल, सिमरन, मनजोत कौर ने पहला स्थान हासिल किया। रिया, आरती, अमनदीप कौर, मुस्कान, गुरकीरत कौर, अमृता, प्रीति, निरंज शर्मा, दीपजोत घुम्मन, साक्षी, वंशिका, अवलीन कौर, रमनीत कौर, मनीषा कुमारी, रमनजोत कौर, जैनिसा, आरुसी डोगरा, सनवीर, अंजलि, राधा देवी, अचल, रूबीना, अंशिका, ज्योति, परनीत कौर, मनकोमल, जानवी, सोनमप्रीत ने दूसरा स्थान हासिल किया। गुरलीन सरोया, अंजलि, अंशप्रीत कौर, वत्सिमा, छुआ कनिका राय, जैस्मीन, खुशी, रविया, गुरजोत कौर, मन्नत कुमारी, नैंसी, हेजल, लवली, अनमोल प्रीत, प्रभजोत कौर, सहज कौर, सना, तनवीर कौर, रमा, रूपा कुमारी ने दूसरा स्थान हासिल किया। ,हरमनजीत कौर, अशमीत कौर, ओमवती, मनवीर कौर, कुम कुम कुमारी, राधा कुमारी, रमनप्रीत, दमनप्रीत, सैवी चोपड़ा ने तीसरा स्थान हासिल किया। कराटे के खेल में इन खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मुख्य अध्यापिका दीप्ति ढिल्लों ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी राज्य स्कूल खेलों में होशियारपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर मनजीत कौर, प्रिया, जगमोहन विज, सुच्चा सिंह, दलवीर सिंह, जसवीर सिंह, प्रेम कुमार, सुनीता, आदित्य बख्शी, आरती, मनोज कुमार, सुरजीत सिंह आदि उपस्थित थे।

तेज बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का विधायक ब्रम शंकर जिम्पा ने किया दौरा

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

भारी बारिश से प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के लिए विधायक ब्रम शंकर जिम्पा ने विभिन्न स्थानों का दौरा किया। उन्होंने शिमला पहाड़ी के नजदीक और गांव बजवाड़ा में क्षतिग्रस्त घरों का निरीक्षण कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने घायलों का हालचाल पूछते हुए आश्वासन दिया कि संकट की घड़ी में सरकार और प्रशासन पीड़ितों के साथ खड़े हैं और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। विधायक ने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि नुकसान का आकलन तुरंत कर प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार किसी को भी मुश्किल समय में अकेला नहीं छोड़ेगी। जिम्पा ने रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा राहत सामग्री वितरित करने की सराहना की और सामाजिक संगठनों से पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इस अवसर पर नायब तहसीलदार हृदयवीर सिंह, पार्षद राजेश्वर दयाल बब्बी, बिंदु शर्मा और विकास सैनी सहित अन्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने लेबर सेस संग्रह में बनाया नया रिकॉर्ड : करमजीत कौर

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

ज़िला योजना कमेटी की चेयरपर्सन करमजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 310 करोड़ रुपए का लेबर सेस एकत्र किया है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व, पारदर्शी नीतियों और श्रमिकों की भलाई के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है। चेयरपर्सन ने बताया कि वर्ष 2021-22 में लेबर सेस 203.94 करोड़ रुपए, 2022-23 में 208.92 करोड़ रुपए और 2023-24 में 180 करोड़ रुपए एकत्र किया गया था। इस वर्ष 310 करोड़ रुपए का आंकड़ा यह साबित करता है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने श्रमिक वर्ग के उत्थान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए हैं। ज़िला योजना कमेटी की चेयरपर्सन ने कहा कि लेबर सेस मुख्य रूप से राज्य में निर्माण संबंधी गतिविधियों और परियोजनाओं से एकत्र

किया जाता है। इस राशि का प्रयोग श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और भलाई योजनाओं पर किया जाता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के मार्गदर्शन में पंजाब सरकार ने कई ऐसी योजनाएं लागू की हैं जिनका सीधा लाभ श्रमिक परिवारों को मिल रहा है। करमजीत कौर ने कहा कि मान सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं बल्कि श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य बीमा, आवास सहायता और सामाजिक सुरक्षा के लिए लगातार नए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब आने वाले वर्षों में श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में देश के लिए एक मिसाल बनेगा।

जम्मू-कश्मीर : एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना की कार्रवाई में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में गुरुवार सुबह भारतीय सेना ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सेना की चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। सेना और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। सेना के मुताबिक, तैनात सैनिकों ने सीमावर्ती इलाके में संदिग्ध गतिविधियों को भांपा और घुसपैठियों को ललकारा। इसके बाद आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकी मारे गए। हालांकि, क्षेत्र में तलाशी अभियान अब भी जारी है। गौरतलब है कि अगस्त की शुरूआत में भी अखल क्षेत्र में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था। इसके अलावा, 30 जुलाई को भी सेना ने पुंछ इलाके में

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकियों को ढेर कर दिया था। उसी दिन, सेना ने ह्यऑपरेशन शिव शक्तिह्न की शुरूआत की थी, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस और विभिन्न खुफिया एजेंसियों से प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं पर आधारित था। इस ऑपरेशन का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में छिपे आतंकवादियों की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। भारतीय सेना की इन सतर्क कार्रवाइयों से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और हर घुसपैठ की कोशिश को करारा जवाब दिया जाएगा।

महाराष्ट्र के पालघर में चार मंजिला इमारत ढही, अब तक 15 की मौत; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

पालघर/विरार : महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां रामाबाई अपार्टमेंट नाम की चार मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा अचानक गिर गया। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक मां-बेटी की जोड़ी भी शामिल है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जबकि राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। यह हादसा बुधवार की सुबह करीब 12:05 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि यह इमारत 2012 में बनाई गई थी, लेकिन इसके निर्माण के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली गई थी। वसई-विरार नगर निगम ने पहले ही इसे गैरकानूनी घोषित किया था। हादसे के बाद पुलिस ने इमारत के बिल्डर को हिरासत में ले लिया है। इमारत में कुल 50 फ्लैट थे, जिनमें से 12 फ्लैट उस हिस्से में थे जो ढह गया। हादसे के तुरंत बाद नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की दो टीमें मौके पर पहुंच गईं। शुरू में मलबा

हटाने का काम हाथों से किया गया, क्योंकि संकरी गलियों की वजह से भारी मशीनें वहां नहीं पहुंच पा रही थीं। अब मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। जिला कलेक्टर इंदु रानी जाखड़ ने बताया कि मलबे में अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अब तक 17 लोगों को निकाला गया है, जिनमें 15 की मौत हो चुकी है, एक घायल है और दो को सुरक्षित बचा लिया गया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने कहा कि जिस चॉल पर इमारत का मलबा गिरा, वह खाली थी, जिससे और बड़ा नुकसान होने से बच गया। आसपास की चॉलों को भी खाली कराया गया है और वहां के लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। इस हादसे ने कई परिवारों को बेघर कर दिया है। प्रभावित लोगों को चंदनसर समाजमंदिर में ठहराया गया है, जहां उन्हें खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और जरूरी मदद दी जा रही है। वसई-विरार नगर निगम के असिस्टेंट कमिश्नर गिल्सन गोंसाल्वेस ने बताया कि यह इमारत बिना अनुमति के बनाई गई थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे 3 पाकिस्तानी आतंकी, तीनों जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े; पूरे राज्य में हाईअलर्ट

पटना : बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों और राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बीच सुरक्षा एजेंसियों को बड़ा इनपुट मिला है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान से जुड़े तीन आतंकवादी नेपाल के रास्ते बिहार में घुस आए हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। जानकारी के अनुसार, जिन तीन आतंकियों की तलाश की जा रही है, उनके नाम हैं – हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान। तीनों आतंकियों के फोटो भी जारी किए गए हैं। हसनैन रावलपिंडी, आदिल उमरकोट और उस्मान बहावलपुर (पाकिस्तान) का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि ये तीनों जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकी संगठन से जुड़े हुए हैं। इनपुट्स के अनुसार, आतंकियों ने अगस्त के दूसरे सप्ताह में काठमांडू (नेपाल) में एंट्री ली थी और वहां से पिछले सप्ताह बिहार के रास्ते भारत में घुसे हैं। आशंका जताई जा रही है कि अररिया जिले के जरिए उन्होंने भारत में प्रवेश किया। हालांकि अभी तक इस घुसपैठ की कोई आधिकारिक पुष्टि

नहीं की गई है, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा को लेकर पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है। सभी थानों और जिला पुलिस को आतंकी गतिविधियों से जुड़े किसी भी इनपुट पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय ने साफ कहा है कि खुफिया तंत्र को पूरी तरह एक्टिव रखा जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए। साथ ही आम जनता से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन ऑल आउट', मुठभेड़ में लॉरेंस गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार; एक के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में बृहस्पतिवार तड़के दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बदमाशों के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने दो कुख्यात बदमाशों को धर दबोचा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि लॉरेंस गैंग के दो शार्प शूटर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में न्यू अशोक नगर में मौजूद हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जाल बिछाकर बदमाशों की घेराबंदी की। खुद को घिरा देख बदमाशों

ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में स्पेशल सेल ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान एक गोली बदमाश कार्तिक जाखड़ के पैर में जा लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे और उसके दूसरे साथी कविश को गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक जांच में पता चला है कि दोनों बदमाश अमेरिका में बैठे गैंगस्टर हैरी बॉक्सर के गुर्गे हैं और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम करते हैं। बताया जा रहा है कि हैरी बॉक्सर के खिलाफ भी आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ कर उनके मंसूबों और नेटवर्क के बारे में और जानकारी जुटाने में लगी है।

रूह कंपा देगी ये वारदात: दादा ने ही पोते की बलि दी, आरी से काटकर लाश के टुकड़े नाले में बहाए

प्रयागराज : संगमनगरी प्रयागराज के करेली इलाके में अंधविश्वास के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने तांत्रिक के बहकावे में आकर अपने ही रिश्तेदार के 17 वर्षीय बेटे की नृशंस हत्या कर दी। आरोपी ने किशोर की हत्या के बाद उसके सिर और धड़ को अलग-अलग कर शहर के दो अलग-अलग कोनों में फेंक दिया ताकि उसकी पहचान न हो सके। पुलिस ने इस खौफनाक हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने बताया कि आरोपी शरण सिंह मृतक किशोर पीयूष के सगे दादा का भाई है। पूछताछ में उसने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला है। शरण सिंह ने बताया कि उसके बेटे और बेटी ने 2023 और 2024 में आत्महत्या कर ली थी, जिससे वह टूट गया था। इसका कारण जानने के लिए वह एक तांत्रिक के पास गया। तांत्रिक ने उसे बहकाया कि ह्यवास्तव में तुम्हारे बच्चों की जगह इस लड़के (पीयूष) को मरना था, लेकिन यह नहीं मरा, इसलिए तुम्हारे दोनों बच्चों की जान चली गई। तुम इसे मार दो, सब ठीक हो जाएगा।ह्व पुलिस के मुताबिक, 11वीं कक्षा का छात्र पीयूष मंगलवार सुबह स्कूल के लिए निकला था, लेकिन वहां पहुंचा ही नहीं। आरोपी शरण सिंह उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसी दिन उसकी हत्या कर दी। उसने आरी से पीयूष के सिर और हाथ-पैर काटे। इसके बाद धड़ को एक साड़ी में लपेटकर स्कूटी से नैनी औद्योगिक क्षेत्र के एक नाले में फेंक दिया, जबकि सिर को करेली के सैदपुर कछार इलाके में छिपा दिया। मंगलवार को ही पुलिस को नैनी में एक किशोर का बिना सिर का धड़ मिला था, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। उधर, पीयूष के घर न लौटने पर उसकी मां कामिनी देवी ने करेली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को एक स्थानीय महिला ने बताया कि उसने एक व्यक्ति को स्कूटी से बोरे में कुछ फेंकते देखा था। महिला द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर पुलिस शरण सिंह तक पहुंची और कड़ाई से पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर बुधवार को सैदपुर कछार से पीयूष का सिर भी बरामद कर लिया गया।

हर महिला के खाते में आएंगे 2100 रुपए, हरियाणा सरकार ने किया योजना लागू करने का ऐलान

चंडीगढ़ – हरियाणा में दीन दयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा कर दी गई है। यह योजना 25 सितंबर से लागू होगी। योजना लागू करने की घोषणा मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में की गई। इस योजना के तहत 50 लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में 2100 रुपये भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस योजना का ऐलान करते हुए कहा कि 25 सितंबर, 2025 से राज्य की सभी 13 साल से उम्र की लड़कियों व महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। महिलाएं चाहें शादीशुदा हों या फिर अविवाहित, सभी के खाते में 2100-2100 रुपये भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले चरण में उन महिलाओं को शामिल किया जाएगा, जिनके परिवार की सालाना कमाई 1 लाख रुपये से कम है। योजना के तहत एक परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यदि एक परिवार में 3 महिलाएं हैं, तो उन तीनों महिलाओं को लाभ मिलेगा। सरकार द्वारा पहले से चलाई जा रही ऐसी 9 योजनाओं, जिनमें आवेदिका को पहले से ही अधिक राशि की पेंशन का लाभ मिल रहा है, उन्हें लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। स्टेज 3 और 4 कैंसर पीड़ित मरीजों (महिलाओं), सूचीबद्ध 54 दुर्लभ बीमारियों, हीमोफिलिया, थैलेसिलमिया और सिकल सेल से पीड़ित मरीजों पहले से पेंशन मिल रही है।

दिल्ली के 20 कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत करीब 20 कॉलेजों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद सभी कॉलेजों में हड़कंप मच गया और प्रशासन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। धमकी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। शुरूआती जांच में पाया गया कि यह धमकी फर्जी है। पुलिस के मुताबिक, ई-मेल भेजने वाले ने अपनी पहचान छिपाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया था। हालांकि, मामले को लेकर सतर्कता बरती जा रही है और जांच अब भी जारी है। इससे पहले भी दिल्ली के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। हर बार जांच में ये धमकियां फर्जी पाई गई हैं, लेकिन अभी तक पुलिस उन लोगों तक नहीं पहुंच पाई है जो ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। इससे राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल, पुलिस साइबर क्राइम यूनिट के साथ मिलकर ई-मेल भेजने वाले की तलाश कर रही है।

अमेरिका का भारत पर चौतरफा दबाव, 50% टैरिफ के बाद यूक्रेन जंग को बताया 'मोदी की जंग'

वाशिंगटन . भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय सामानों पर 50 फीसदी का भारी-भरकम टैरिफ लगाने के कुछ ही घंटों बाद, उनके शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को ह्लमोदी की जंगह्व करार देकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। ब्लूमबर्ग टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में पीटर नवारो ने भारत की रूस से सस्ते तेल की खरीद को सीधे तौर पर निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि भारत की इस नीति से रूस को आर्थिक मदद मिल रही है, जिससे वह यूक्रेन में अपनी सैन्य आक्रामकता को जारी रखे हुए है। नवारो ने कहा, ह्लयह मोदी की जंग है, क्योंकि शांति का रास्ता नई दिल्ली से होकर गुजरता है। नवारो ने भारत पर दबाव बनाते हुए एक शर्त भी रखी। उन्होंने कहा कि यदि नई दिल्ली, मॉस्को से तेल खरीदना बंद कर दे तो अमेरिका भारत पर लगाए गए टैरिफ में 25 फीसदी की कटौती पर विचार कर सकता है। यह बयान भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर सीधे अमेरिकी हस्तक्षेप के तौर पर देखा जा रहा है। भारत लगातार यह कहता आया है कि वह अपने नागरिकों को महंगाई से बचाने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। हालांकि, अमेरिका इसे यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद के रूप में देखता है। इससे पहले बुधवार को ट्रंप प्रशासन ने भारत को तगड़ा झटका देते हुए भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क 25% से बढ़ाकर 50% कर दिया था। यह टैरिफ अमेरिका को निर्यात होने वाले 55 फीसदी से ज्यादा भारतीय सामानों पर लागू होगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और इस फैसले से कपड़ा और आभूषण जैसे श्रम-प्रधान भारतीय उद्योगों पर भारी संकट खड़ा हो सकता है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाइयों जैसे कुछ जरूरी सामानों को फिलहाल इस टैरिफ से छूट दी गई है।

छरहरी दिखने के दबाव में खाना पीना छोड़ दिया था नमिता दुबे

बॉलिवुड में ऐक्ट्रेसेज के रंग-रूप, कद-काठी को लेकर एक खास किस्म की धारणा बनी हुई है कि हीरोइन तो गोरी-चिट्टी, स्लिम ट्रिम ही होगी। कई ऐक्ट्रेसेज को उनके रंग या वजन को लेकर ट्रोल किया जाता है, तो कई को प्लास्टिक सर्जरी कराने की सलाह मिलती रहती है। इसके चलते, इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहीं नई ऐक्ट्रेसेज खुद को इस छवि में फिट ना पाने पर हीन भावना का शिकार हो जाती हैं या इतने मानसिक दबाव में आ जाती हैं कि उसके लिए हर जतन करने को तैयार रहती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ, ऐक्ट्रेस नमिता दुबे के साथ। वेब सीरीज एस्पिरेंट्स की धैर्या के रूप में वाहवाही बटोरने वाली नमिता ने करियर के शुरूआती दौर में छरहरी दिखने के दबाव में खाना-पीना लगभग छोड़ दिया था और फूड साइकोलॉजिकल डिसऑर्डर का शिकार हो गई थीं।

खाने से डर लगता था कि कहीं मोटी ना हो जाऊं

नमिता बताती हैं, जब मैं इंडस्ट्री में आई थी, तब ऐड, शोज हर चीज के ऑडिशन के लिए जाती थी क्योंकि मुझे लगता था कि मेरा चेहरा जेनरिक (आम) सा है तो मैं सब में फिट हो जाऊंगी, तो मैंने काफी ऑडिशन दिए, पर वहां जब मैं देखती थी कि हर दूसरी लड़की इतनी सुन्दर, सलीके से ट्रेंड और अच्छी ऐक्टिंग करने वाली हैं, तो मैं बहुत हतोत्साहित हो जाती थी कि इनके बीच में मैं तो कभी नहीं सिलेक्ट होने वाली। फिर मुझे काम भी नहीं मिलता था। महीनों घर पर बैठे रहो। कभी लकी ड्रॉ की तरह कोई ऐड मिल गया। फिर मैंने एपिसोडिक शोज करने शुरू किए, मगर जब 3 साल बाद भी स्टेबिलिटी नहीं मिली, तब मैंने टीवी शो किया, लेकिन यह भी दबाव रहता था कि अरे, मैं 25 साल की होने वाली हूं और अभी तक मैंने कुछ नहीं किया है। वह उम्र का दबाव, जो शायद मैंने खुद ही बना लिया था।। मुझे लगता था कि मुझे जिम जाना चाहिए, पतली होना चाहिए, तो 2017 से 2020 तक मैं इतनी ज्यादा पतली हो गई थी कि सब बोलते थे कि नमिता, प्लीज कुछ खाओ। मुझे खाने से डर लगता था। मेरी फूड साइकोलॉजी बदल गई थी। कुछ खाती थी तो पछतावा होता था कि अरे, मुझे कल ऑडिशन पर जाना है। मुझे एक्ने (मुहांसे) हो जाते थे, तो ये जो नकली ब्यूटी स्टैंडर्ड्स बने हुए हैं, उनका मुझ पर काफी बुरा असर पड़ा था। अब जाकर मैं ये समझ पाई हूं कि ऐक्टर बनने के लिए लुक सब कुछ नहीं है। आप अपनी कमियों के साथ भी ऐक्टर बन सकती हैं और अब जाकर मैं जैसी हूं, उसमें सहज हो पाई हूं। अब मुझे पता है कि हीरोइनें जो इतनी सुंदर दिखती हैं, उनके पीछे हेयर, मेकअप, स्टाइलिस्ट, बहुत से लोगों की मेहनत होती है। फिल्म झांसी का राजकुमार में नमिता का किरदार दिल्ली से झांसी में नई जिंदगी शुरू करता है। नमिता ने खुद भी लखनऊ से आकर मुंबई में अपना मुकाम बनाया। यह सफर कितना चुनौतीपूर्ण था? इस पर उन्होंने बताया, मैं लखनऊ से पहले दिल्ली गई थी, उसके बाद मुंबई आई थी। दिल्ली में तो मेरी पीजी या पेइंग गेस्ट वाली लाइफ होती थी, जो कर्फ्यू वाली होती थी कि 8 बजे के बाद ये नहीं कर सकती, यहां नहीं जा सकती। जिंदगी का असल स्वाद मुंबई में ही मिला। यहां सच में आटे दाल का भाव पता चल गया। मैं खुद एक मिडिल क्लास फैमिली से हूं तो यहां मुझे बहुत कुछ सीखना पड़ा कि घर कैसे चलाना है। पैसे भी इतने नहीं होते थे तो हमेशा बचत का सोचना होता था कि कहां से पैसे बचाए जाएं। मूवी देखने में भी सोचना पड़ता कि इतने रुपये खर्च हो जाएंगे। ऑडिशन के लिए कपड़े चाहिए होते थे, वह सब मैनेज करना मुश्किल था। ऐसे हालात में आप ऐक्टर बनने की कोशिश कर रहे हो और घर वाले पूछ रहे हैं कर क्या रहे हो? तो मेरा ट्वेंटीज त यही समझने में गया कि लाइफ ह क्या? मुझे जिंदगी में क्या चाहिए? म क्या कर सकती हूं? और यह स मैंने मुंबई में सीखा तो आज मैं ज हूं, उसका श्रेय इसी शहर को दे हूं, मगर नए शहर में जिंदगी शुर करने की चुनौतियां तो होती हैं।

आपको नए सिरे से जिंदग बनानी पड़ती है।

हीरोइनों के लिए अब है अच्छा दौ लखनऊ की गलियों में नमिता क ऐक्टिंग का चस्का कैसे लगा? इ सवाल पर वह बताती हैं, असल मे शौक तो बचपन से था, पर तब मु लगता था कि या तो ब्यूटी कॉन्टेस वाली लड़कियां ऐक्ट्रेस बनती हैं य फिल्म परिवार वाली, तो मैंने त इसके बारे में सोचा नहीं। वो तो बा में मुझे एक दोस्त से पता चला कि इसके लिए प्रॉपर ऑडिशन भी हो हैं, तो जब मैं मुंबई में मास्टर्स क रही थी तो मैंने सोचा, चलो ए साल ऐक्टिंग में कोशिश करते हैं तब मैंने आदित्य चोपड़ा, करण जौहर सबकी कंपनी में फोटो भेज और हर जगह से मुझे कॉल आ गई मुझे लगा कि बस अब तो मैं सी उनकी हीरोइन बनूंगी। मैं भी कितन भोली थी (हसंती हैं)। इस तर ऑडिशन का सिलसिला शुरू हुआ हालांकि, मुझे खुशी है कि मैं इ दौर में इंडस्ट्री में आई हूं, ज लड़कियों के लिए काफी अच्छा है वरना, 90 और 2000 के दशक म जो सिनेमा बन रहा था, जिन् देखकर मैं खुद बड़ी हुई हूं, वे बड़ अजीब किस्म की मिसोजिनिस्टि फिल्में होती थीं। लड़कियों का रोल लिखा ही नहीं जाता था। किसी भ लड़की को ले लो, 4 गाने और ड्री सीक्वेंस डाल दो। अब लड़कियों के लिए स्क्रिप्ट्स लिखी जा रही हैं शेफाली शाह, तिलोत्तमा शोम रसिका दुग्गल जैसी ऐक्ट्रेसेज हैं ज सिनेमा को मजबूत बना रही हैं औ मुझे उम्मीद है कि ये हालात औ बेहतर होंगे। **सभारा न.भ.ट**